

Daily Current Affairs

Date : 04 April, 2026



अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	“आपणो खेत - आपणी खाद” अभियान
2.	थार सांस्कृतिक सर्किट
3.	सुंदर कांति जोशी पुरस्कार
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. झालाना लेपर्ड सफारी में नवाचार 2. श्याम सुंदर स्वामी 3. MNIT का इशरे के साथ एमओयू 4. डॉ. गोपेश नाग 5. रेखा मीणा
5.	सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप, 2026
6.	पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (KITG), 2026
7.	राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT)
8.	कर साथी
9.	भारत की बहु-खतरा प्रारंभिक चेतावनी निर्णय सहायता प्रणाली
10.	विशेष आर्थिक क्षेत्रों (SEZs)
11.	भारत में पाइपलाइन के जरिए प्राकृतिक गैस पहुँचाने का प्रयास
12.	अनुच्छेद 161
13.	राज्य और केंद्रीय करों और लेवी की छूट (RoSCTL) योजना
14.	भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ECTA)
15.	भारत का रक्षा निर्यात
16.	INS तारागिरी

--:1:--



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR



राजस्थान परिदृश्य



“आपणो खेत - आपणी खाद” अभियान



चर्चा में क्यों?

- राज्य में कृषकों को रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से 6 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2026 तक 'आपणो खेत - आपणी खाद' अभियान चलाया जा रहा है।



मुख्य बिन्दु:

- विभाग:** कृषि एवं उद्यमिकी विभाग।
- भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर कृषक गोष्ठियाँ, रात्रि चौपाल, प्रभात फेरियाँ, प्रशिक्षण एवं स्कूलों में जागरूकता गतिविधियाँ की जाएगी।
- इसके साथ ही कृषि सखियों, सीआरपी, कृषक मित्रों एवं नमो ड्रोन दीदी जैसी पहल से जुड़ी महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।
- इस अभियान की सतत् मॉनिटरिंग के लिए जिला, ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर निगरानी समितियों का गठन किया जाएगा।

मुख्य तकनीक:

- जैविक खाद निर्माण:** कम्पोस्ट, वर्मी कम्पोस्ट, हरीखाद (ढाँचा ग्वार)।
- प्राकृतिक खेती की विधियाँ:** पंचगव्य, जीवामृत, बीजामृत, धनजीवामृत।
- डीएपी, यूरिया के विकल्प के रूप में एसएसपी, एनपीके एवं टीएसपी जैसे संतुलित उर्वरकों का उपयोग।
- साथ ही राइजोबियम, एजेटोबैक्टर एवं पीएसबी जैसे जैव उर्वरकों का उपयोग बढ़ाया जाएगा।

थार सांस्कृतिक सर्किट

चर्चा में क्यों?

- पश्चिमी राजस्थान की समृद्ध मरुस्थलीय संस्कृति, लोकजीवन और धरोहर को पहचान देने के लिए थार सांस्कृतिक सर्किट विकसित किया जा रहा है।

मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य:** क्षेत्र की लोककलाओं, परंपराओं, खान-पान, पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ हस्तशिल्प और ग्रामीण जीवनशैली को वैश्विक पहचान दिलाना।
- इसके तहत राजस्थान संगीत नाटक अकादमी की ओर से सात सदस्य कमेटी का गठन किया जाएगा।
- बजट घोषणा के अनुसार इस सर्किट में जोधपुर, जैसलमेर, जालौर, बाड़मेर और बीकानेर को शामिल किया गया है।

सुंदर कांति जोशी पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

- यह अवॉर्ड राधा निवास क्रिकेट क्लब द्वारा सुंदर कांति जोशी की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 3 अप्रैल को दिया जाता है।

मुख्य बिन्दु:

- लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड: 1970 के दशक की पूर्व राष्ट्रीय क्रिकेटर आशा श्रीवास्तव को दिया गया।
- सीनियर वर्ग: ऑलराउंडर डिम्पल कंवर को।
- जूनियर वर्ग: तनिका शर्मा।
- सब-जूनियर वर्ग: रोशेल यादव।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>झालाना लेपर्ड सफारी में नवाचार</p> <ul style="list-style-type: none">झालाना लेपर्ड सफारी में पर्यटकों के वाइल्ड लाइफ अनुभव को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक इंटरप्रिटेशन सेंटर विकसित किया जा रहा है। जिसमें 3-डी और वीआर तकनीक के जरिए लेपर्ड की गतिविधि और जीवनशैली को करीब से देखा जा सकेगा। इसके साथ ही कट आउट, फोटो गैलेरी एवं इंटरएक्टिव सिस्टम भी बनाया जा रहा है।
2.	<p>श्याम सुंदर स्वामी</p> <ul style="list-style-type: none">पैरा एशिया कप तीरंदाजी में श्याम सुंदर स्वामी और तोमन कुमार की जोड़ी ने चीनी ताइपे को हराकर स्वर्ण पदक जीता।पिछले वर्ष भी थाइलैंड में आयोजित प्रतियोगिता में सुंदर ने भारत को स्वर्ण पदक दिलाया था।
3.	<p>MNIT का इशरे के साथ एमओयू</p> <ul style="list-style-type: none">मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNIT) जयपुर और इंडियन सोसायटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एंड इयर कंडीशनिंग इंजीनियर्स (ISHRAI), चेन्नई के बीच समझौता ज्ञापन साइन हुआ है।उद्देश्य: कूलिंग सेक्टर में एनर्जी एफिशिएंसी बढ़ाना, इनडोर एयर क्वालिटी में सुधार करना तथा पर्यावरण संरक्षण।
4.	<p>डॉ. गोपेश नाग</p> <ul style="list-style-type: none">भारत तिब्बत सीमा पुलिस की ओर से नई दिल्ली में आयोजित 26वीं अखिल भारतीय लॉन टेनिस प्रतियोगिता में जयपुर के डॉ. गोपेश नाग, डीआईजी, सीमा सुरक्षा बल ने स्वर्ण पदक जीता।श्रेणी: वेटरन वर्ग की सिंगल्स स्पर्धा।2025 में बेंगलुरु में आयोजित इसी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

5.

रेखा मीणा

- राजस्थान की रेखा मीणा को 20 मार्च, 2026 एथेंस (यूरोप) में आयोजित एक समारोह में गुड डिजाइन अवार्ड, 2025 से सम्मानित किया गया।
- यह पुरस्कार 1950 से 'शिकागो एथेनियम संग्रहालय' द्वारा दिया जा रहा है।
- 2023 में उन्हें विश्व स्तर पर सर्वश्रेष्ठ रंग व आंतरिक डिजाइनर का पुरस्कार मिला था।





राष्ट्रीय परिदृश्य



सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप, 2026



चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारतीय फुटबॉल टीम को सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप, 2026 के फाइनल में बांग्लादेश ने पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराया, बांग्लादेश ने यह खिताब दूसरी बार जीता है।



मुख्य बिन्दु:

- आयोजन:** 23 मार्च से 3 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थान:** माले, मालदीव।
- आयोजक:** दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ।
- भागीदार:** 7 दक्षिण एशियाई टीमों ने हिस्सा लिया।
- ग्रुप-A:** मालदीव, नेपाल, भूटान और श्रीलंका शामिल थे।
- ग्रुप-B:** भारत, बांग्लादेश व पाकिस्तान शामिल थे।
- भारत ने सेमीफाइनल में भूटान को 5-0 से हराया।



परिणाम:

- विजेता:** बांग्लादेश (दूसरा खिताब)
- उपविजेता:** भारत (गत विजेता)

पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (KITG), 2026

चर्चा में क्यों?

- पहले खेलो इंडिया जनजातीय खेल, 2026 की पदकतालिका में कर्नाटक ने 23 स्वर्ण पदक हासिल कर शीर्ष स्थान पर रहा।



मुख्य बिन्दु:

- यह जनजातीय एथलीटों के लिए भारत का पहला राष्ट्रीय बहु-खेल आयोजन है।
- आयोजन तिथि:** 25 मार्च से 3 अप्रैल, 2026 तक।
- आयोजन स्थल:** छत्तीसगढ़ के रायपुर, जगदलपुर और सरगुजा में आयोजित किए गए।
- आयोजक:** केंद्रीय युवा और खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI), भारतीय ओलंपिक संघ (IOA), राष्ट्रीय खेल अकादमी और छत्तीसगढ़ सरकार।
- उद्देश्य:** जनजातीय प्रतिभाओं को निखरना, समावेशिता और राष्ट्रीय खेल परिचय तंत्र में एकीकरण करना।
- संस्करण:** पहला।

--8:--

■ कुल खेल:

- 7 प्रधान खेल: एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, भारोत्तोलन, तीरंदाजी, तैराकी और कुश्ती।
- 2 प्रदर्शन खेल: मल्लखंब और कबड्डी।

■ शुभंकर: "मोरवीर"

■ अनावरण: 23 दिसंबर, 2025 को KITG के लोगो, थीम सॉन्ग और लोगो का अनावरण किया गया।

■ शाब्दिक अर्थ: मोर (मेरा या हमारा) + वीर (वीरता): भारत के आदिवासी समुदायों की भावना, गौरव और पहचान का प्रतिनिधित्व करता है।

■ मेजबान राज्य: छत्तीसगढ़, इस ऐतिहासिक राष्ट्रीय आयोजन करने वाला पहला राज्य बन गया है।

■ यह आयोजन खेलो इंडिया कार्यक्रम का हिस्सा है तथा खेलो इंडिया गेम्स को खेल प्रसारण संकेत

अधिनियम, 2007 के तहत वर्ष 2020 में 'राष्ट्रीय महत्त्व का आयोजन' घोषित किया गया।

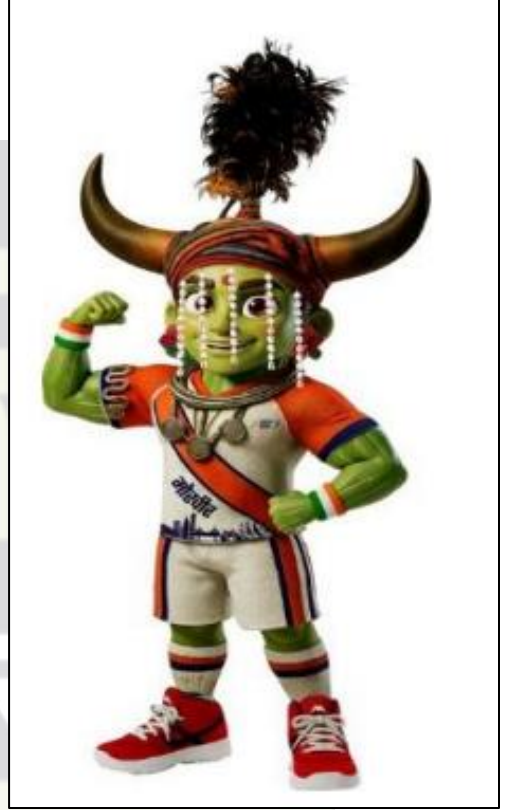
■ भागीदार: 30 राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों के 60,000 से अधिक एथलीट खेलो में 338 पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा की।

■ कुल पदक: 338 (106 स्वर्ण + 100 रजत + 126 कांस्य) पदक।

पदक तालिका:

रैंक	राज्य	स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक	कुल पदक
1 st	कर्नाटक	23	8	7	38
2 nd	ओडिशा	21	15	21	57
3 rd	झारखंड	16	8	11	35

--9--



Daily Current Affairs

Date : 04 April, 2026



4 th	महाराष्ट्र	6	10	4	20
5 th	अरूणाचल प्रदेश	6	1	4	11
9 th	छत्तीसगढ़	3	10	6	19
22 th	राजस्थान	0	3	2	5

राजस्थान का प्रदर्शन:

- कुल पदक: 5 (3 रजत + 2 कांस्य) पदक।
- रैंक: 22वीं
- खेलवार पदक: कुश्ती (3 रजत + 1 कांस्य पदक), व्यायाम (1 कांस्य पदक)

पदक विजेता:

विजेता	खेल	श्रेणी	पदक
अमीत कुमार मीणा	कुश्ती	पुरुष फ्रीस्टाइल 150 किग्रा.	रजत पदक
राकेश कुमार मीणा	कुश्ती	पुरुष फ्रीस्टाइल 65 किग्रा.	रजत पदक
दिनेश सोलंकी	कुश्ती	पुरुषों का ग्रीको-रोमन वर्ग 60 किग्रा.	रजत पदक
बालकेश कुमारी मीणा	कुश्ती	महिला फ्रीस्टाइल 68 किग्रा.	कांस्य पदक
जगदीश मीणा	व्यायाम/एथलेटिक्स	पुरुष 200 मीटर	कांस्य पदक

- नोट: राजस्थान की टीम के कोच: अजय शर्मा।

--:10:--

Daily Current Affairs

Date : 04 April, 2026

KITG में पदक विजेता:

पदक विजेता	खेल	राज्य	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल पदक
मणिकांत एल	तैराकी	कर्नाटक	8	1	0	9
धोनिश एन	तैराकी	कर्नाटक	5	1	0	6
अजय मुंडा	तैराकी	ओडिशा	5	0	0	5
मेघांजलि	तैराकी	कर्नाटक	4	0	2	6

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

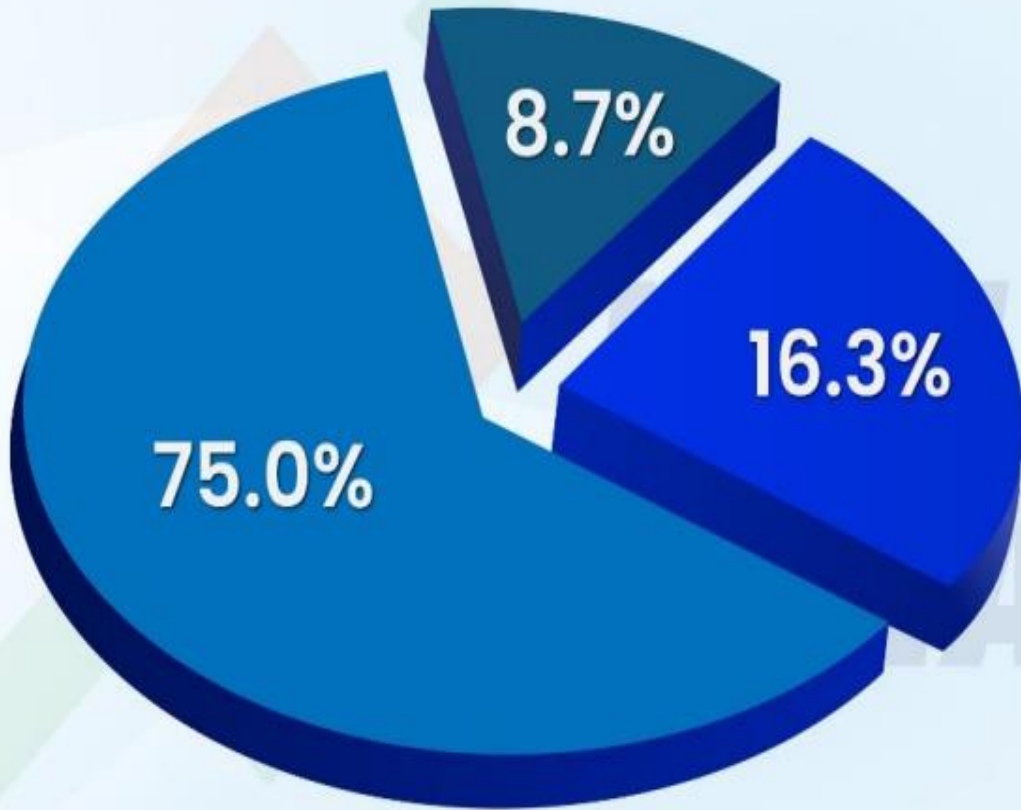
खेलो इंडिया कार्यक्रम:



- **शुरुआत:** वर्ष 2017-18
- **प्रकार:** केंद्रीय क्षेत्रक कार्यक्रम।
- **मंत्रालय:** युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत

-:11:-

INFRASTRUCTURE PROJECTS STATUS UNDER KHELO INDIA SCHEME



■ To be started (30) ■ Under Progress (56) ■ Completed (258) ■ Total (344)

Source: Khelo India Website

Data as on 25th March 2026

- **नोट:** भारत सरकार ने 15वें वित्त आयोग (वर्ष 2021-22 से 2025-26) के दौरान “खेलो इंडिया-खेल के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम” की योजना को जारी रखने हेतु 3165.50 करोड़ रुपये परिव्यय किए।

प्रमुख कार्यक्रम:

1. खेलो इंडिया यूथ गेम्स (KIYG): स्कूल व कॉलेज स्तर पर।
2. खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (KIUG): विश्वविद्यालय स्तर पर।

-:12:-

3. खेलो इंडिया विंटर गेम्स: लद्दाख व जम्मू-कश्मीर जैसे क्षेत्रों में।
4. खेलो इंडिया पेरा गेम्स: दिव्यांग एथलीटों हेतु।
5. खेलो इंडिया राइजिंग टैलेंट आइडेंटिफिकेशन (KIRTI): ICT उपकरणों का उपयोग करके।
6. खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (KITG): जनजातीय एथलीटों के लिए।

राष्ट्रीय खेल नीति, 2025

- **मंजूरी:** 1 जुलाई, 2025 को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय खेल नीति (NSP) 2025 को मंजूरी दी।
- **प्रतिस्थापित:** नई खेल नीति, 2025 मौजूदा राष्ट्रीय खेल नीति, 2001 के स्थान पर लाई गई।
- यह नीति देश को वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने और वर्ष 2036 ओलंपिक खेलों सहित अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार की गई।
- यह खेल नीति पाँच प्रमुख स्तंभों पर आधारित है-

स्तंभ	उद्देश्य
वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता	<ul style="list-style-type: none">■ ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में खेल बुनियादी ढाँचे का विकास।■ राष्ट्रीय खेल महासंघों की क्षमता और प्रबंधन को बढ़ाना।■ प्रतिस्पर्धी लीग और प्रतियोगिताओं की स्थापना को बढ़ावा देना।■ खेल प्रदर्शन को बढ़ावा देने के लिए खेल विज्ञान, चिकित्सा और प्रौद्योगिकी अपनाने को प्रोत्साहित करना।
आर्थिक विकास के लिए खेल	<ul style="list-style-type: none">■ खेल पर्यटन को बढ़ावा देना और भारत में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजित कराने का प्रयास करना।■ खेल विनिर्माण परितंत्र को मजबूत करना, और खेल में स्टार्टअप तथा उद्यमिता को बढ़ावा देना।

	<ul style="list-style-type: none">■ सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP), कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) और अभिनव वित्तपोषण पहलों के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करना।
सामाजिक विकास के लिए खेल	<ul style="list-style-type: none">■ केंद्रित कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, आदिवासी समुदायों और दिव्यांगजनों के बीच भागीदारी को बढ़ावा देना।■ स्वदेशी और पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करना और बढ़ावा देना।■ खेलों के माध्यम से भारतीय प्रवासियों को शामिल करना।
जन आंदोलन के रूप में खेल	<ul style="list-style-type: none">■ राष्ट्रव्यापी अभियानों और समुदाय-आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से खेल में जन भागीदारी और फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देना।■ स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों आदि के लिए फिटनेस सूचकांक शुरू करना।■ खेल सुविधाओं तक सभी की पहुंच को बढ़ाना।
शिक्षा के साथ एकीकरण (NEP 2020)	<ul style="list-style-type: none">■ स्कूली पाठ्यक्रम में खेलों को शामिल करना।■ खेल शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण से तैयार करना।

कार्यनीतिक रूपरेखा :

- **निजी क्षेत्र का वित्तपोषण और सहयोग :** नवीन वित्तपोषण तंत्र विकसित करना और PPP और CSR के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी को शामिल करना।

Daily Current Affairs

Date : 04 April, 2026



- **प्रौद्योगिकी और नवाचार** : प्रदर्शन ट्रेकिंग, अनुसंधान और कार्यक्रम कार्यान्वयन के लिए AI और डेटा एनालिटिक्स सहित उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाना।
- **राष्ट्रीय निगरानी रूपरेखा** : सुव्यवस्थित परिभाषित मानदंड, प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (KPI) और समयबद्ध लक्ष्यों के साथ एक राष्ट्रीय रूपरेखा बनाना।
- **राज्यों के लिए आदर्श नीति** : NSP 2025 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एक मॉडल के रूप में काम करेगा, जो राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुरूप अपनी नीतियों को संशोधित करने या तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।
- **समग्र सरकारी दृष्टिकोण** : इस नीति में समग्र प्रभाव प्राप्त करने के लिए सभी मंत्रालयों और विभागों की गतिविधियों, योजनाओं और कार्यक्रमों में खेल प्रोत्साहन को जोड़ने का आह्वान करता है।

Note:

- **संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस 2025** : 11 जून, 2025
- **राष्ट्रीय खेल दिवस** : 29 अगस्त, 2025

-:15:-

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT)

- चर्चा में क्यों?
- केंद्र सरकार ने NCERT को मानद (डीम्ड टू बी) विश्वविद्यालय घोषित किया।



- मुख्य बिन्दु:
- जो संस्थान 'मानद विश्वविद्यालय' होते हैं, उन्हें एक विश्वविद्यालय की शैक्षणिक स्थिति और विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं।
 - इन्हें UGC की सलाह पर केंद्र सरकार द्वारा घोषित किया जा सकता है।

NCERT:

- मुख्यालय:** नई दिल्ली
- स्थापना:** 1961 में स्थापित एक स्वायत्त संगठन
- मंत्रालय:** केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुसार, यह प्रारंभिक बाल देखभाल और शिक्षा (ECCE), स्कूली शिक्षा और प्रौढ़ शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFs) विकसित करने हेतु नोडल एजेंसी है।

कर साथी

चर्चा में क्यों?

- आयकर विभाग द्वारा नए आयकर अधिनियम, 2025 के ढाँचे के तहत प्रत्यक्ष कर मामलों पर 24x7 मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए एक एआई-सक्षम डिजिटल चैटबॉट प्लेटफॉर्म लॉन्च किया गया है।



मुख्य बिन्दु:

- यह आयकर रिटर्न दाखिल करने, कर प्रावधानों, प्रपत्रों, नोटिसों, कटौतियों, धन वापसीओं और अनुपालन से संबंधित प्रश्नों के लिए चौबीसों घंटे सहायता प्रदान करता है।
- यह प्रत्यक्ष कर से संबंधित सभी संसाधनों जैसे कि फॉर्म, चालान, ई-भुगतान, ई-सत्यापन और अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ) को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाता है।
- करदाताओं की शिकायतों के समाधान और अनुपालन संबंधी प्रश्नों में सहायता प्रदान करता है।

भारत की बहु-खतरा प्रारंभिक चेतावनी निर्णय सहायता प्रणाली



चर्चा में क्यों?

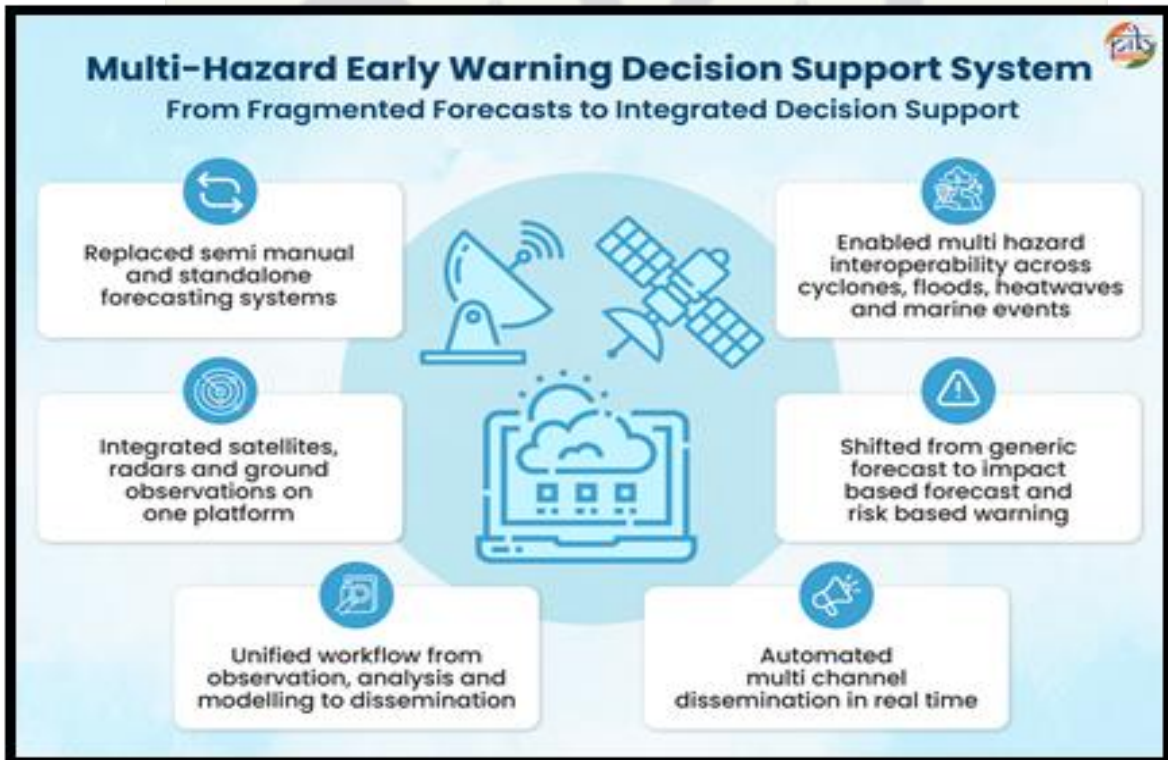
- भारत मौसम विज्ञान विभाग को स्वदेशी रूप से विकसित बहु-खतरा प्रारंभिक चेतावनी निर्णय सहायता प्रणाली (MHEW-DSS) के लिए ई-गवर्नेंस 2025 का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है।



मुख्य बिन्दु:

MHEW-DSS क्या है?

- 2024 में लॉन्च किया गया, यह एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो महत्वपूर्ण मौसम पूर्वानुमान प्रक्रियाओं में निर्णय लेने की प्रक्रिया को स्वचालित बनाता है और जनता, सरकार और गैर-सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ विशिष्ट हितधारकों को पूर्वानुमान और चेतावनी सेवाएँ प्रदान करता है।
- मौसम मिशन के तहत विकसित इस प्रणाली ने मौसम संबंधी डेटा प्रसंस्करण के 90% हिस्से को स्वचालित कर दिया है और पूर्वानुमान की सटीकता में 30% सुधार किया है, साथ ही तैयारी का समय छह घंटे से घटाकर तीन घंटे कर दिया है।
- यह उपग्रहों, रडारों और जमीन तथा ऊपरी वायु आधारित सेंसरों से प्राप्त वास्तविक समय के डेटा को एक केंद्रीकृत जीआईएस-सक्षम प्लेटफॉर्म में एकीकृत करता है, जिससे पुराने मैनुअल कार्यप्रवाहों का स्थान ले लेता है।



आर्थिक घटनाक्रम

विशेष आर्थिक क्षेत्रों (SEZs)

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने वन-टाइम राहत योजना शुरू की है। इसके तहत पात्र विनिर्माण इकाइयों को विशेष आर्थिक क्षेत्रों से देश के भीतर यानी घरेलू बाजारों में रियायती सीमा शुल्क दरों पर वस्तुएँ बेचने की अनुमति दी गई है।



मुख्य बिन्दु:

- यह राहत योजना 1 अप्रैल, 2026 से 31 मार्च, 2027 तक प्रभावी रहेगी। इसका उद्देश्य वैश्विक व्यापार में व्यवधानों से निपटने में विशेष आर्थिक क्षेत्रों के विनिर्माताओं को सहायता प्रदान करना है।

विशेष आर्थिक क्षेत्रों (SEZs)

- **परिचय:** ये विशेष रूप से निर्धारित, शुल्क-मुक्त क्षेत्र होते हैं। इन्हें व्यापार संचालन और सीमा शुल्क के लिए विदेशी क्षेत्र के रूप में माना जाता है।
- **वर्तमान स्थिति:** फरवरी, 2026 तक भारत में 368 अधिसूचित विशेष आर्थिक क्षेत्र हैं।
- **विधिक प्रावधान:** इनका संचालन विशेष आर्थिक क्षेत्र अधिनियम, 2005 और विशेष आर्थिक क्षेत्र नियम, 2006 के तहत होता है।

विशेष आर्थिक क्षेत्रों का महत्व

- निर्यात वृद्धि
- निवेश केंद्र
- रोजगार सृजन
- अवसंरचना विकास
- प्रौद्योगिकी और नवाचार
- वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि

भारत में पाइपलाइन के जरिए प्राकृतिक गैस पहुँचाने का प्रयास

चर्चा में क्यों?

- भारत आयात पर निर्भरता कम करने, ऊर्जा सुरक्षा में सुधार करने और स्वच्छ ईंधन मिश्रण की ओर संक्रमण करने के लिए पाइपलाइन द्वारा प्राकृतिक गैस (PNG) कनेक्शन के विस्तार में तेजी ला रहा है।



मुख्य बिन्दु:

गैसों के प्रकार

द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (LPG):

- संघटन: प्रोपेन और ब्यूटेन।
- अवस्था और भंडारण: सिलेंडरों में मध्यम दबाव के तहत तरल अवस्था में संग्रहित किया जाता है।
- उपयोग: घरेलू खाना पकाने, पानी गर्म करने और छोटे पैमाने के औद्योगिक अनुप्रयोगों में।
- मुख्य विशेषता: हवा से भारी, रिसाव होने पर जमीन पर जमा हो जाता है।

पाइप द्वारा प्राकृतिक गैस (PNG):

- **संघटन:** मुख्यतः मीथेन।
- **अवस्था और भंडारण:** भूमिगत पाइपलाइनों के माध्यम से गैस के रूप में वितरित किया जाता है।
- **उपयोग:** आवासीय रसोईघर, वाणिज्यिक रसोईघर और उद्योग।
- **मुख्य विशेषता :** निरंतर आपूर्ति, सिलेंडर भंडारण की कोई आवश्यकता नहीं।

संपीड़ित प्राकृतिक गैस (CNG):

- **संघटन:** मुख्यतः मीथेन।
- **अवस्था और भंडारण:** टैंकों में उच्च दबाव (200-250 बार) पर संपीड़ित।
- **उपयोग:** वाहन (कार, बस, ऑटो) और कम दबाव वाले औद्योगिक बर्नर।
- **मुख्य विशेषता:** पेट्रोल/डीजल की तुलना में अधिक स्वच्छ दहन।

द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (LNG):

- **संघटन:** मुख्यतः मीथेन।
- **अवस्था और भंडारण:** परिवहन के लिए इसे लगभग -160°C तक ठंडा करके तरल अवस्था में लाया जाता है।
- **उपयोग:** प्राकृतिक गैस को समुद्र के रास्ते लंबी दूरी तक ले जाना, बिजली उत्पादन।
- **मुख्य विशेषता:** इसका आयतन 600 गुना कम हो गया है, जिससे इसे बड़ी मात्रा में संग्रहित करना आसान हो जाता है।

भारत का PNG की ओर झुकाव

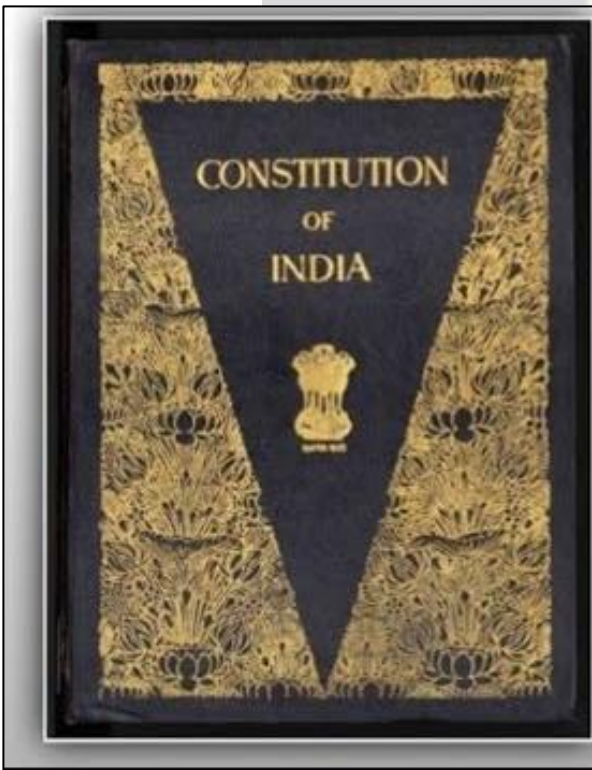
- **आयात पर निर्भरता कम करना:** भारत अपनी LPG आवश्यकता का लगभग 60% आयात करता है, जिसका एक बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे आपूर्ति मार्ग भू-राजनीतिक रूप से संवेदनशील हैं।
- इसके विपरीत, LNG को कई वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त किया जा सकता है, जिससे विविधीकरण को बढ़ावा मिलता है।
- **आर्थिक दक्षता:** PNG सिलेंडर परिवहन और भंडारण से जुड़ी लॉजिस्टिक्स लागतों को समाप्त कर देता है।
- LPG की तुलना में इसकी कीमत अधिक स्थिर हो सकती है, क्योंकि LPG वैश्विक तेल कीमतों के प्रति संवेदनशील होती है।

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था

अनुच्छेद 161

चर्चा में क्यों?

- मद्रास उच्च न्यायालय ने माना कि राज्यपाल को संविधान के अनुच्छेद 161 के तहत शक्तियों का प्रयोग करते समय कैबिनेट की सलाह का पालन करना चाहिए।



मुख्य बिन्दु:

अनुच्छेद-161:

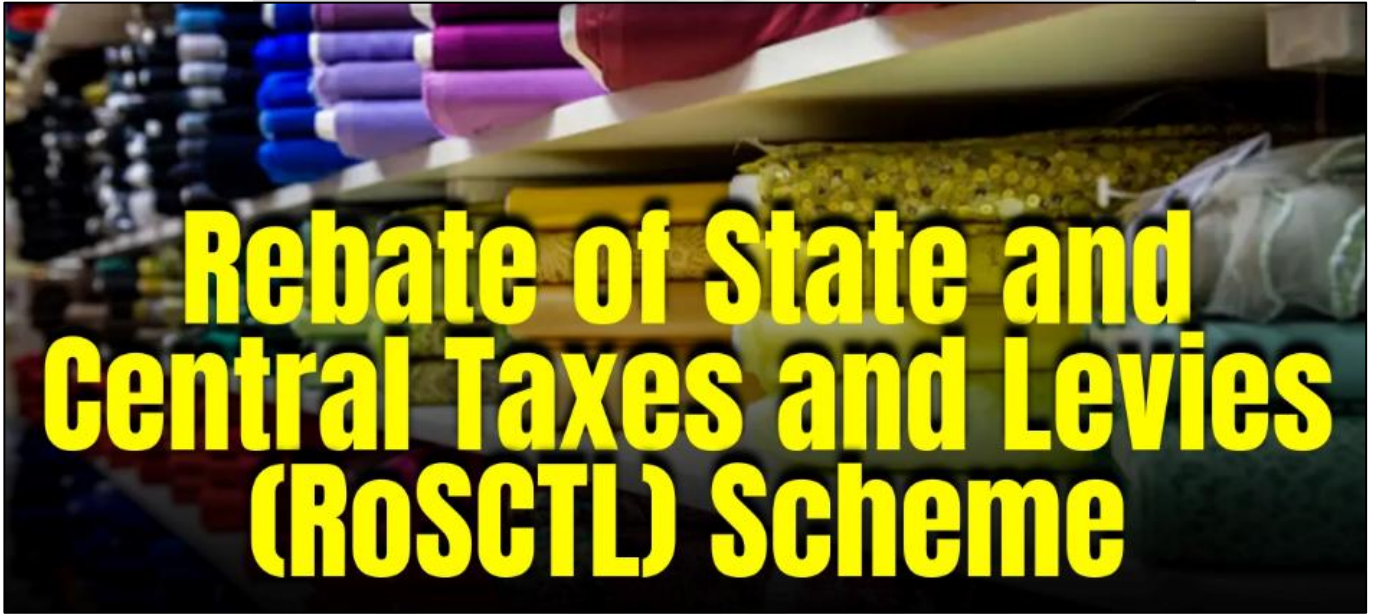
- यह राज्यपाल को क्षमा आदि की और कुछ मामलों में दंडादेश के निलंबन, परिहार या लघुकरण की शक्ति प्रदान करता है।
- क्षेत्र:** यह राज्य के कार्यकारी अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अपराधों पर लागू होता है।

योजनाएँ एवं नीतियाँ

राज्य और केंद्रीय करों और लेवी की छूट (RoSCTL) योजना

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने RoSCTL योजना को 30 सितंबर, 2026 तक बढ़ाने की घोषणा की है।



मुख्य बिन्दु:

RoSCTL:

- **प्रारंभ:** इसे 2019 में केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य कपड़ा निर्यात को शून्य-रेटेड (Zero-rate) बनाना है। यह उन सभी राज्य और केंद्रीय करों की छूट देता है जो किसी अन्य योजना के अंतर्गत नहीं आते हैं।
- **तंत्र:** छूट ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप्स के रूप में जारी की जाती है। इन्हें बेचा जा सकता है या सीमा शुल्क भुगतान के लिए उपयोग किया जा सकता है।
- **लाभ:** इसमें लचीलापन, निर्यात प्रतिस्पर्धा में सुधार और लागत में कमी शामिल हैं।



अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य



भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ECTA)



चर्चा में क्यों?

- भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ECTA) के चार वर्ष पूरे। वर्ष 2022 में हस्ताक्षरित इस समझौते ने व्यापार को बढ़ाने, उद्योगों के बीच संबंधों को मजबूत करने तथा व्यवसायों, उद्यमियों और रोजगार के लिए नए अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।



मुख्य बिन्दु:

ECTA से प्राप्त प्रमुख लाभ

- **ऑस्ट्रेलिया को भारत से निर्यात दोगुना हुआ:** भारत से निर्यात वित्त वर्ष 2020-21 के 4 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 8.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।
- वित्त वर्ष 2025-26 (फरवरी तक) में, ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत का कुल व्यापार 19.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।
- **तरजीही बाजार पहुँच:** भारत ने अपने यहाँ 70.3% उत्पादों पर रियायत दी, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 100% उत्पादों पर रियायत दी। इसका अर्थ है कि ऑस्ट्रेलिया ने भारत से आने वाले सभी आयात पर पूरी तरह से प्राथमिक बाज़ार पहुँच प्रदान की।
- 1 जनवरी 2026 से, सभी भारतीय निर्यात ऑस्ट्रेलिया में शून्य-शुल्क बाजार पहुँच के लिए पात्र हैं।
- **कई क्षेत्रों को लाभ:** कपड़ा, फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और कृषि उत्पादों के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।
- **ऑर्गेनिक क्षेत्र में पारस्परिक मान्यता व्यवस्था (MRA) पर हस्ताक्षर:** इससे जैविक वस्तुओं के व्यापार को मजबूती मिली।

भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया का महत्त्व

- **हिंद-प्रशांत की नीति में रणनीतिक साझेदारी:** भारत और ऑस्ट्रेलिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक ऐसी व्यवस्था के पक्षधर हैं जो पारदर्शी, खुला, सुरक्षित, समावेशी और नियमों पर आधारित हो। यह सहयोग निम्नलिखित क्षेत्रों में देखा जा सकता है:
- ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान के साथ भारत चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद यानी QUAD का एक प्रमुख भागीदार है।

Daily Current Affairs

Date : 04 April, 2026



- ऑस्ट्रेलिया-भारत हिंद-प्रशांत महासागर पहल साझेदारी (AIIPOIP)।
- वर्ष 2019 में दोनों देशों के रक्षा और विदेश मंत्रियों के बीच 2+2 संवाद तंत्र की शुरुआत हुई।
- **रक्षा सहयोग:** दोनों देशों के बीच नियमित रूप से संयुक्त नौसैनिक अभ्यास (AUSINDEX) होता रहता है; मजबूत रक्षा सहयोग के लिए 2021 में पारस्परिक लॉजिस्टिक्स सहायता समझौते (MLSA) पर हस्ताक्षर हुए।
- **ऊर्जा और संसाधन:** भारत-ऑस्ट्रेलिया अति-महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) निवेश साझेदारी के तहत नई आपूर्ति श्रृंखलाओं का विकास किया जा रहा है, ग्रीन हाइड्रोजन सहित नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है, आदि।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

-:27:-

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी 📌

भारत का रक्षा निर्यात

📢 चर्चा में क्यों?

- रक्षा मंत्रालय के अनुसार भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में ₹38,424 करोड़ के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँचा।



📌 मुख्य बिन्दु:

मुख्य उपलब्धियाँ

- **निर्यात संवृद्धि:** पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 62.66% की वृद्धि दर्ज की गई।
- 2021-22 से 2025-26 तक निर्यात में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है।

--:28:--

क्षेत्रकवार योगदान:

- रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (DPSUs): 54.84%
- निजी क्षेत्र: 45.16%
- वैश्विक पहुँच: वित्त वर्ष 2025-26 तक भारत 80 से अधिक देशों को रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रहा था।

महत्त्व

- रणनीतिक: भारत को रक्षा उपकरणों के वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करता है।
- कूटनीतिक: रक्षा निर्यात से भारत पर अन्य देशों का विश्वास बढ़ा है, अंतर-सहयोग क्षमता बढ़ी है और दीर्घकालिक साझेदारी को भी बढ़ावा मिल रहा है।
- स्वदेशीकरण को बढ़ावा: वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का स्वदेशी रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुँचा।
- आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की प्राप्ति: भारत का लक्ष्य वर्ष 2029 तक ₹3 लाख करोड़ का रक्षा उत्पादन करना और ₹50,000 करोड़ मूल्य का रक्षा निर्यात है।
- अन्य दृष्टि से महत्त्व: रोजगार सृजन, निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी, आदि।

स्थायी चुनौतियाँ

- आयात पर उच्च निर्भरता,
- वैश्विक व्यवधानों से प्रभावित होना,
- विश्व में रक्षा विनिर्माण में पहले से स्थापित देशों से प्रतिस्पर्धा,
- विनियामकीय नियमों की वजह से देरी, आदि।
- रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने हेतु प्रमुख पहलें
- रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (iDEX) फ्रेमवर्क: यह स्टार्टअप्स और MSMEs के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देता है।
- FDI में उदारीकरण: प्रौद्योगिकी आकर्षित करने के लिए स्वचालित मार्ग के तहत 74% तक FDI की अनुमति।
- रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया 2020: यह रक्षा खरीद में स्वदेशी घटकों के उपयोग को बढ़ावा देती है।
- रक्षा औद्योगिक गलियारे (DICs): उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में औद्योगिक विनिर्माण प्रणालियों को बढ़ावा देने हेतु।
- अनुसंधान, विकास और नवाचार (RDI) योजना: रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, निजी कंपनियों, MSMEs और स्टार्टअप्स के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए।

INS तारागिरी

चर्चा में क्यों?

- भारतीय नौसेना में INS तारागिरी शामिल हो गया। यह नीलगिरी श्रेणी का युद्धपोत है।



मुख्य बिन्दु:

- यह प्रोजेक्ट 17 अल्फा के तहत निर्मित सात बहु-मिशन स्टील्थ गाइडेड-मिसाइल युद्धपोतों में से चौथा है।

INS तारागिरी:

- प्रणोदन:** डीजल और गैस (CODOG) का संयुक्त प्रणोदन संयंत्र।
- इसे 'उच्च गति - उच्च सहनशक्ति' बहुउद्देशीय और बहुआयामी समुद्री संचालन के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- क्षमताएँ:** बहु-भूमिका युद्ध (सुपरसोनिक सतह-से-सतह मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह-से-हवा मिसाइलें और एक विशेष पनडुब्बी रोधी युद्ध सूट)।
- स्वदेशीकरण:** लगभग 75% स्वदेशी, मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स द्वारा निर्मित।

--:30:--